सतयुग संसार में ऊँच पद पाने वाली
हर आत्मा है पदमापदम भाग्यशाली
बच्चों की प्रालब्ध बाबा ने देखी आज
शिव बाप बच्चों पर करते कितना नाज
द्वापर युग से जिनकी भक्त करते पूजा
तुम्ही पूजनीय हो और नहीं कोई दूजा
बाप के बच्चे कितने लायक बनते है
जिनके दर्शन को भक्त बड़े तरसते हैं
बनो पारस पाकर पारसनाथ का संग
जगाओ आप समान बनाने की उमंग
स्मृति में रखना सदा अपना स्वमान
सरल होगा तब सबको देना सम्मान
सबको मान देने से दाता कहलाओगे
सम्पन्न बनकर रहमदिल बन जाओगे
भूले से किसी पर भी रोब नहीं चलाओ
पुण्यात्मा बन परवश को स्वतंत्र बनाओ
आदि रत्न समझने से हो जाओगे समर्थ
सेवा पर तत्पर रहने से ही मिटेगा व्यर्थ
बाबा का हर फरमान पालन करते जाओ

माया के वार से बचकर निकलते जाओ
अकेले समझकर बिलकुल ना घबराओ
शिव बाबा के साथ कम्बाइंड हो जाओ
मनसा वाचा कर्मणा सदा सेवा पर रहो
सदा काल के लिए मायाजीत बने रहो
बन्धन में बंधना कहलाती है अधीनता
योगयुक्त रहकर अपनाओ स्वाधीनता
योगाग्नि की ज्वाला को प्रचण्ड बनाओ
योगबल से महविनाश को पास लाओ
ग्रहस्थीपन त्यागकर ट्रष्टी बन जाओ
मेरापन मिटाकर माया को दूर भगाओ
क्यूँ क्या के सभी प्रश्नों से पार हो जाओ
शुद्ध बुद्धि से पुरुषार्थ की गति बढ़ाओ
अपना हर संकल्प प्रभु पसंद बनाओ
प्रभु की सभा में प्रधान पद को पाओ
ॐ शांति